भाषण प्रतियोगिता में आंचल भंडारी फर्स्ट

नगर संवाददाता-शिमला

उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय संजौली [illegible] में [illegible] इंटि[illegible] ऑफ लाइफ [illegible]य पर एसजेवीएन के सौजन्य से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. चंद्र भान मेहता ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। महा प्रबंधक डीपी कौशल और नरेंद्र कुमार मनकोटिया इस प्रतियोगिता में मुख्य रूप से विभागीय स्तर पर [illegible]मान रहे। इस प्रतियोगिता में आँचल भंडारी प्रथम, दीक्षा ठाकुर द्वितीय और अक्षय सिंगटा तृतीय और पांच को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए, जिसमें भाव्या, दीपिका, प्राची, श्रे[illegible] सांत्वना पुरस्कार दिए गए। इस [illegible] पर प्रतियोगी शिक्षार्थियों ने, अपने अपने अनुभवों को साझा किया। इस कार्यक्रम में डा. भारती भागड़ा, डा. रूपलाल शर्मा, डा. सरिता शारदा, डा. विशाल रांगटा, डा. अनुपमा, डा. मीनू जीवन, डा. हिमानी सक्सेना, संदेश काल्टा आदि अध्यापक शामिल रहे जबकि निर्णायक की भूमिका डा. रविंद्र चौहान व डा. सुरेंद्र शर्मा ने निभाई।

एस.जे.वी.एन. भाषण प्रतियोगिता में आंचल, दीक्षा व अक्षय विजेता

शिमला : एस.जे.वी.एन. द्वारा नर्सिंग कालेज में आयोजित प्रतियोगिता के विजेता मुख्यातिथि के साथ संयुक्त चित्र में।

शिमला, 7 नवम्बर (अम्बादत): उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय संजौली में जागरूकता सप्ताह के दौरान इंटिग्रिटी-ए वे ऑफ लाइफ विषय पर एस.जे.वी.एन. के सौजन्य से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. चंद्र भान मेहता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। महा प्रबंधक डी.पी. कौशल और नरेंद्र कुमार मनकोटिया इस प्रतियोगिता में मुख्य रूप से विभागीय स्तर पर उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में आंचल भंडारी प्रथम, दीक्षा ठाकुर द्वितीय और अक्षय [illegible] तृतीय स्थान पर रहे। पांच को [illegible] पुरस्कार प्रदान किए गए, जिसमें भाव्या, दीपिका, प्राची व श्रेया को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। भाषण प्रतियोगिता में प्रतियोगी शिक्षार्थियों ने अपने-अपने अनुभवों को सांझा किया। सभी प्रतिभागियों ने विश्व के महान चरित्रों को उदाहरण सहित अपने विचार प्रकट किए। इस कार्यक्रम में डा. भारती भागडा, डा. रूपलाल शर्मा, डा. सरिता शारदा, डा. विशाल रांगटा, डा. अनुपमा, डा. मीनू जीवन, डा. हिमानी सक्सेना व संदेश काल्टा आदि अध्यापक शामिल रहे जबकि निर्णायक की भूमिका डा. रविन्द्र चौहान व डा. सुरेन्द्र शर्मा ने निभाई। भट्टाकुफर स्थित शिवालिक इंस्टीच्यूट ऑफ नर्सिंग कालेज में भी जागरूकता सप्ताह मनाया गया।

विचार किए साझा • संजौली कॉलेज में एसजेवीएन ने करवाई भाषण प्रतियोगिता, आंचल रही पहले स्थान पर

ईमानदारी घर से शुरू होती है और पहला असत्य भी

सिटी रिपोर्टर|शिमला

उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय संजौली में जागरुकता सप्ताह के दौरान इंटिग्रिटी-ए वे ऑफ लाइफ विषय पर एसजेवीएन के सौजन्य से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ पर प्राचार्य डॉ. चंद्र भान मेहता ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। महाप्रबंधक डीपी कौशल और नरेंद्र कुमार मनकोटिया इस प्रतियोगिता में मुख्य रूप से विभागीय स्तर पर विराजमान रहे। प्रतियोगिता में आंचल भंडारी प्रथम, दीक्षा ठाकुर द्वितीय और अक्षय सिंगटा तृतीय। इसके अलावा पांच प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान कि गए जिसमें भाव्या, दीपिका, प्राची, श्रेया शामिल है।

प्रतियोगी शिक्षार्थियों ने अपने अपने अनुभवों को साझा किया। सभी प्रतिभागियों ने विश्व के महान चरित्रों को उदाहरण सहित अपने विचार प्रकट किए। प्रतियोगियों ने यह भी कहा कि ईमानदारी घर से शुरू होती है और पहला असत्य भी अपने घर से ही शुरू होता है। शहीदों का स्मरण करते हुए विद्यार्थियों ने कहा कि ईमानदारी उनमें पूर्णतः द्रष्टव्य होती है।अपने विषय उस्थापन में प्रतियोगियों ने कहा कि शिक्षा का पहला पड़ाव ईमानदारी होना चाहिए, ईमानदारी कोई शब्द नहीं बल्कि अन्तस का भाव है। प्रतिभागी श्रेया ने कहा कि ईमानदारी बुद्धि का आयाम है। इसी प्रतियोगिता में भावना ने कहा कि इस सृष्टि में मनुष्य रूप में आना मुश्किल है यदि यह जीवन मिल गया तो मूल्य निर्धारित करना उससे भी कठिन है, यदि कुछ मूल्य भी वास कर गए तो चरित्र में आना दुर्लभ है, यहीं से व्यवहार का पर्दापण होता है। सत्यता के लिए स्वयं को जानना आवश्यक है यही से ईमान का आधार तैयार होता है। इसलिए जीवन का मूल ही है स्वयं की ओर लौट आना। इस प्रकार के भावों को विद्यार्थियों ने सांझा किया। इस प्रतियोगिता में शिक्षार्थियों ने कहा कि भारत सत्य का पूजक रहा है इसलिए हमें ईमान से दूर नहीं होना चाहिए। जीवन में ईमानदारी न हो तो जीवन नाश की ओर जाता है। अतः इस मंत्र का स्मरण रखना जरूरी है। प्रतिभागियों ने कहा कि ईमानदारी हमारी अमूल्य पूंजी है। इसे गंवाना मूर्खता होगी।

एसजेवीएन की ओर से संजौली कालेज में आयोजित प्रतियोगिता में मौजूद विद्यार्थी।

प्रतियोगिता के समन्वयक नरेंद्र तोमर ने कहा कि मुझे अपना युवा काल स्मरण आ रहा है, तब इस प्रकार के कार्यक्रम बहुत कम होते थे। इस प्रकार के विषय की लेकर संस्थान में एसजेवीएन जा रहा है। डॉ. इंद्र सिंह ठाकुर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस कार्यक्रम में डॉ. भारती भागड़ा, डॉ रूपलाल शर्मा, डॉ. सरिता शारदा, डॉ. विशाल रांगटा, डॉ. अनुपमा, डॉ. मीनू जीवन, डॉ. हिमानी सक्सेना, संदेश काल्टा आदि अध्यापक शामिल रहे जबकि निर्णायक की भूमिका डॉ. रविंद्र चौहान व डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने निभाई।

संजौली कालेज में भाषण प्रतियोगिता

शिमला के कालेजों में एसजेवीएन ने चलाया सतर्कता जागरूकता सप्ताह

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-शिमला

एसजेवीएन ने राजधानी शिमला के दो कॉलेजों में सतर्कता सप्ताह-2019 का आयोजन किया। एस[illegible] ने इस दौरान इंटे[illegible] ऑफ लाइफ विषय पर हिंदी व अंग्रेजी में प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जा रही हैं। इन कार्यक्रमों में एक[illegible] सिंह मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) तथा डीपी कौशल मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस मौके पर एसजेवीएन द्वारा शिंवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग कालेज, भट्टाकुफर, संजौली, शिमला तथा गवर्नमेंट डिग्री कालेज, संजौली, शिमला में अंग्रेजी तथा हिंदी में भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गईं। शिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग कॉलेज, भट्टाकुफर-संजौली की प्रिंसीपल डा. शमा लोहुमी तथा गवर्नमेंट डिग्री कालेज, संजौली के प्रिंसीपल सीबी मेहता सहित एसजेवीएन लिमिटेड के राजभाषा अनुभाग की ओर से वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) मृदुला श्रीवास्तव व नरेंद्र कुमार मनकोटिया विशेष रूप से मौजूद रहे। इन कार्यक्रमों की अध्यक्षता करते हुए दोनों मुख्य अतिथियों ने एसजेवीएन [illegible] ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्यों को स्पष्ट करने के साथ-साथ अपने निगम के सामाजिक दायित्वों पर भी प्रकाश डाला।

लाक्शु व आंचल को मिला पहला पुरस्कार

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके तहत लाक्शु तथा आंचल को छह हजार रूपए का प्रथम पुरस्कार दिया गया। इतिका तथा दीक्षा ठाकुर को पांच हजार रूपए का द्वितीय पुरस्कार, अनामिका तथा अक्षय सिंगटा को चार हजार का तृतीय पुरस्कार प्रदयान किया गया। इसके अलावा पंद्रह सौ के पांच-पांच सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए।